# पिता अब्राहम

## अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय
तीन

## अब्राहम का जीवन: आधुनिक उपयोग

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES
Biblical Education. For the World. For Free.

# विषय-वस्तु सूची

**इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें..... 3**

**तैयारी ..... 4**

**नोट्स ..... 5**

I. **परिचय** (0:28) 5

II. **अब्राहम और यीशु** (4:42) 5

क. अब्राहम का वंश (5:54)…….. 5
1. एकवचनीय रूप में (6:44) 5
2. मसीह एक वंश के रूप में (13:41) 7

ख. मुख्य विषय (18:45)……. 8
1. ईश्वरीय अनुग्रह (19:23) 8
2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (21:16) 8
3. अब्राहम को आशीषें (23:05) 8
4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (24:45) 9

III. इस्राएल और कलीसिया (28:34) 10

क. अब्राहम का बीज (30:06) 10
1. सँख्यात्मक विस्तार (30:44) 10
2. जातीय पहिचान (32:28) 10
3. आत्मिक चरित्र (36:39) 11
4. ऐतिहासिक परिस्थिति (42:12) 13

ख. मुख्य विषय (47:43) 14
1. ईश्वरीय अनुग्रह (48:38) 14
2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (50:16) 14
3. अब्राहम को आशीषें (52:06) 14
4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (53:10) 14

IV. **सारांश** (54:37) 15

**पुनर्विचार हेतु प्रश्न..... 16**

**लागू करने हेतु प्रश्न..... 18**


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

**इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें**

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

---

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

## तैयारी

- उत्पत्ति 11:10-25:18 को पढ़ें
- उत्पत्ति 3 को पढ़ें


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

# नोट्स

**I. परिचय (0:28)**

**II.** अब्राहम और यीशु **(4:42)**

हम अब्राहम के विशेष बीज या वंश, अर्थात् मसीह में जोड़ दिए गए हैं।

क. अब्राहम का वंश **(5:54)**

अब्राहम को पूरे इतिहास में सभी विश्वासियों का पिता कहा गया है।

**1. एकवचनीय रूप में (6:44)**

प्रतिज्ञा अब्राहम और उसके "वंश" को एकवचन में दी गई थी।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

"बीज" अर्थात् वंश का एकवचनीय रूप उत्पत्ति में कई बार एक व्यक्ति से ज्यादा की ओर संकेत करता है। पौलुस ने इस शब्द "बीज" अर्थात् वंश का उपयोग गलातियों 3:29 में बहुवचनीय भाव में किया है।

इसहाक के जन्म से पहले, उत्पत्ति सामान्य तौर पर अब्राहम के "वंश" को बहुवचन के रूप में पुकारती है, अर्थात् सामूहिक अर्थ में बहुवचनीय तौर पर।

उत्पत्ति 22:16-18 में शब्द "वंश" के संकेत प्रतिज्ञाओं को इसहाक तक जो कि अब्राहम का विशेष पुत्र और वारिस था पर केन्द्रित किया गया है।

उत्पत्ति 22:16-18 में शब्द "वंश" संकेत देता है कि प्रतिज्ञाओं को इसहाक तक, जो कि अब्राहम का विशेष पुत्र और वारिस था, को एक से दूसरे में पारित किया गया था।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

## 2. मसीह एक वंश के रूप में (13:41)

गलातियों 3:16 में अब्राहम का यह एक वंश या "बीज" मसीह है।

मसीह ही केवल वह है जिसके द्वारा कोई भी अब्राहम की मीरास में हिस्सा ले सकता है।

मसीह अब्राहम के मीरास को तीन मुख्य अवस्थाओं में प्राप्त और वितरित करता है:

- उसके राज्य के उदघाटन के समय
- उसके राज्य की निरन्तरता के समय
- उसके राज्य के समापन पर।

इसहाक और मसीह के मध्य में प्रतीकात्मक छाया विद्यमान थी:

- इसहाक उसकी पीढ़ी में अब्राहम का मुख्य वारिस था।
- मसीह नए नियम के युग में अब्राहम का सबसे सर्वश्रेष्ठ पुत्र, और मुख्य वारिस हुआ।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

**ख. मुख्य विषय (18:45)**

**1. ईश्वरीय अनुग्रह (19:23)**

मसीह का अब्राहम के वंश के रूप में आगमन संसार के प्रति परमेश्वर की दया का महान् वस्तुपरक कार्य था।

**2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (21:16)**

मसीह अपने राज्य की तीनों अवस्थाओं में पिता के प्रति विश्वासयोग्य रहा।

अब्राहम की विश्वासयोग्यता को आधुनिक संसार में तब लागू किया जा सकता है जब हम इनका सही तरीके से मसीह के साथ सम्पर्क जोड़ते हैं, जो कि अब्राहम का वंश है।

**3. अब्राहम के द्वारा आशीषें (23:05)**

मसीह अब्राहम की प्रतिज्ञा की हुई सारी आशीषों को पाता है और परमेश्वर की आशीषों का आनन्द अधिक से अधिक मात्रा में माप से भी परे जा कर लेता है।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

**4. इस्राएल और कलीसिया (24:45)**

परमेश्वर ने कहा कि आशीषों और शापों की एक प्रक्रिया के द्वारा, इस पृथ्वी के सभी लोग अब्राहम के माध्यम से आशीषित होंगे।

अब्राहम और उसके वंश को संसार का उत्तराधिकारी, प्रत्येक जाति के सभी परिवारों को उनके अधीन होते हुए होना था।

मसीह अब्राहम का वंश और अब्राहम की प्रतिज्ञाओं का वारिस है।

अब्राहम का विशेष वंश होने के नाते, मसीह ही है जो कि उन विषयों को पूरा या पूर्ण करता है जिनका सामना हम अब्राहम के जीवन में करते हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

## III. इस्राएल और कलीसिया (28:34)

### क. अब्राहम का बीज (30:06)

#### 1. सँख्यात्मक विस्तार (30:44)

इसहाक ही वह माध्यम है जिसके द्वारा कई अब्राहम के वंशज् होने के पद का आनन्द प्राप्त करेंगे।

मसीही कलीसिया भी अब्राहम का वंश है (गल. 3:29)

हम अब्राहम के साथ सम्बन्धित हैं क्योंकि हम मसीह के साथ जुड़ गए हैं।

#### 2. जातीय पहिचान (32:28)

वे लोग जो मूसा का अनुसरण कर रहे थे उनमें विशाल सँख्या यहूदियों और अन्यजातियों के मिश्रण की थी, जिन्हें इस्राएल में स्वीकार कर लिया गया था।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

उत्तरोत्तर पीढ़ियाँ :

- अन्यजाति में राहाब और रूत को इस्राएल में रोप दिया गया था

- 1 इतिहास 1-9 की वंशावली में अन्यजातियों के नाम को परमेश्वर के लोगों के नाम के साथ जोड़ती है।

मसीही कलीसिया में आज जातीय विविधता है।

हमें अब्राहम की कहानियों को यहूदियों और अन्यजातियों पर लागू करने के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि वे पूरे संसार में कलीसिया में हैं।

**3. आत्मिक चरित्र (36:39)**

दृश्य इस्राएल के राष्ट्र में आत्मिक विविधताएँ थीं। वहाँ पर दोनों अर्थात् अविश्वासी और सच्चे विश्वासी थे।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

इस्राएलियों में अविश्वासी ने यह अविश्वासयोग्यता के माध्यम से अपने चरित्र को दिखाया। सच्चे विश्वासियों ने निष्ठा के द्वारा अपने चरित्र का प्रर्दशन किया।

इस्राएल में रहने वाले अविश्वासियों ने केवल अस्थाई आशीषों को ही प्राप्त किया। परन्तु सनातन में वे परमेश्वर के अन्तिम, अनन्तकाल के न्याय को प्राप्त करेंगे।

विश्वासी न केवल कई अस्थाई आशीषों को आनन्द लेंगे वरन् वे अनन्तकालीन आशीषों को भी प्राप्त करेंगे।

आत्मिक विविधता मसीह की कलीसिया में भी विद्यमान है:

- अविश्वासी
- विश्वासी


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

**4. ऐतिहासिक परिस्थिति (42:12)**

मूसा ने इस्राएलियों को लिखा जिन्होंने:

- मिस्र की दासता को अपने पीछे छोड़ा था
- परन्तु वे अभी कनान की प्रतिज्ञात् भूमि में प्रवेश नहीं कर पाए थे

कलीसिया:

- को भी पाप के शासन से (राज्य के उदघाटन के समय) छुटकारा दिया गया है
- परन्तु वह भी उस नई सृष्टि की महिमा की ओर अग्रसर है (राज्य के समापन के समय)

हमें मसीह के प्रति निष्ठावान् रहना है:

- क्योंकि जो कुछ उसने राज्य को उदघाटन करने के द्वारा किया है
- जब उसका राज्य हमारे दिनों में हम में बढ़ता है
- हमें उस दिन की लालसा करनी चाहिए जब नए स्वर्ग और नई पृथ्वी में प्रवेश करेंगे

पुराने नियम का इस्राएल और नए नियम की कलीसिया दोनों:

- ही अब्राहम का ही वंश हैं
- की मिश्रित जातीय पहचान है
- ही आत्मिक तौर पर विविध हैं
- ही एक ऐसी यात्रा पर हैं जो कि परमेश्वर के राज्य की गौरवशाली लक्ष्य की ओर अग्रसर है।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

**ख. मुख्य विषय** (47:43)

**1. ईश्वरीय अनुग्रह (48:38)**

परमेश्वर ने अपनी बहुत ज्यादा दया को हम पर दिखाया है। हमें परमेश्वर की दया पर निर्भर रहना सीखना चाहिए।

**2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (50:16)**

सच्चे विश्वासियों से आज यह अपेक्षा की जाती है कि वे परमेश्वर के अनुग्रह के प्रति परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के साथ सेवा करते हुए प्रतिउत्तर दें।

मसीही विश्वासियों को भले कार्य करने का दायित्व दिया गया है।

**3. अब्राहम को आशीषें (52:06)**

आधुनिक आशीषें हमें प्रोत्साहित करती हैं अन्तिम आशीषें तब हमारी होंगी जब मसीह का पुन: आगमन होगा।

**4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (53:10)**

हम परमेश्वर की सुरक्षा के प्रति सुनिश्चित हो सकते हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

हम भी पृथ्वी के छोर तक परमेश्वर के राज्य के विस्तार को करते हुए इस पृथ्वी की सभी जातियों के लिए आशीष देने के लिए प्रोत्साहन को प्राप्त कर सकते हैं।

## IV. सारांश (54:37)


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

## पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. कैसे हम कह सकते हैं कि मसीह ही अब्राहम का एकवचनीय बीज अर्थात् वंश है?

2. उन चार मुख्य विषयों का वर्णन करें जो अब्राहम की कहानियों को यीशु के साथ सम्बन्धित करते हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

3. वे कौन से चार तरीके हैं जिनमें कलीसिया और इस्राएल अब्राहम के वंशज् हैं?

4. आज कैसे विश्वासी उन चार मुख्य विषयों को अपने ऊपर लागू कर सकते हैं जो अब्राहम और यीशु को आपस में सम्बन्धित करते हैं?


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

## लागू करने हेतु प्रश्न

1. विश्वासियों के लिए यह महत्वपूर्ण क्यों है कि मसीह अब्राहम के जीवन के मुख्य विषयों को पूरा करता है?

2. मूसा के दिनों में अब्राहम के बीच की जातीय विविधता के कुछ आधुनिक व्यवहारिक उपयोग क्या हैं?

3. यह पहचान करना क्यों महत्वपूर्ण है कि कलीसिया में दोनों अर्थात् विश्वासी और अविश्वासी हैं? कैसे यह उस तरीके को प्रभावित करता है जिसमें आप को कलीसिया को देखना और इसकी सेवा करनी चाहिए?

4. कलीसिया की आत्मिक विविधता के प्रति हमारी समझ के द्वारा कलीसिया के कौन से मूल धर्मसिद्धान्त प्रभावित हो सकते हैं?

5. क्यों परमेश्वर आपसे निष्ठा की अपेक्षा करता है? कैसे आप आपके जीवन में परमेश्वर के प्रति निष्ठा को प्रदर्शित कर सकते हैं?

6. वे कौन से तरीके हैं जिनमें आप उन आशीषों का पूर्वास्वाद लेते हैं जिन्हें परमेश्वर ने आपको उसकी सन्तान होने के नाते दिया है?

7. कैसे हम सुसमाचार की शिक्षा, घोषणा और प्रदर्शन उन तरीकों में कर सकते हैं जो कि अन्यों को आशिष दे? कौन सी बातें सुसमाचार की घोषणा से निकलने वाले इस तरह के परिणामों में रूकावट बन सकती हैं?

8. इस अध्ययन से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा